



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२४१२, २५२२	२४.१०.२१	२	३-६

फसलों की समग्र सिफारिशें आसान भाषा में दें वैज्ञानिक, कम पढ़े लिखे किसान भी फायदा उठा सकें : वीसी

एचएयू में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन पर वीसी ने दी जानकारी

भास्तर न्यूज़ टिप्पणी

एचएयू किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी सूत में फसलों संबंधी समस्याओं का समान न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं, ताकि उन्होंने हर समस्या का नियन समय पर हो सके।

ये विचार एचएयू व जीजेएम विसार के वीसी प्रोफेसर वी.आर. कामोठे ने कहे। वे एचएयू में आयोगित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन पर बातों मुख्यतात्त्विक बातें रहे थे। कामोठे ने अधिकृत गत्ता आयुक्त डॉ. जगदीप बराड़



विशिष्ट अतिथि गोजूद रहे। मुख्यतात्त्विक ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशों प्रदेश की घोषित की परिस्थितियों, जलवाया, सिंचाई सुविधाओं, मूदा जैसे अवसर करकों को ज्ञान में रखकर बनाए जाती हैं, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने शेष्रूप में विभिन्न फसलों की जीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को व्याप में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती

है, ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर नियन हो सके। और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में वृद्धि ऐकाया हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आहुन विद्या कि वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में सुहृद्य करवाएं, ताकि कम पढ़े-लिखे किसान फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है।

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूं व जी के लिए सर्वोत्तम अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गेहूं व मक्का और तीसरे सत्र में लकड़ी व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों को समस्याओं व उनके नियन के लिए सुझाव दिए। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन फसलों, शुक्र कृषि, कृषि विनियोगों को लेकर वैज्ञानिकों ने विचार रखे। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिकारियों, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी गोजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब सरी	28.10.21	५	३-६

फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों के लिए लानदायक : प्रो. काठ्भोज

हिसार, 27 अक्टूबर (ब्लूटो) : किसानों को किसी भी सूत्र में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पढ़े, इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के सभी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक संपर्क बनाए रखने हैं। ये विचार एवं ऐसे गुजारि के कुलपति प्रो. वी.आर. काठ्भोज ने अन्त लिए। ये हक्कड़ी में आयोजित कृषि वैज्ञानिक एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की २ दिवसीय बैठकों पर किसान अवसर पर वहाँ पूछातापि थोड़े रहे।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नैवार की गई समग्र सिफारिशों प्रदेश की औपचारिक परिस्थितियों जलवाया, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेक कारकों की व्याप में रखकर बनाई जाती है, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने लेन्ड में विभिन्न फसलों को कट्ट, बोमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नियंत्रण नियारों की जाती है, ताकि अपने लाले समय में उसका समय पर नियन्त्रण हो सके।

कर्यालय में अनियंत्रित गमा आलका डी. जगदीप बराह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए नियंत्रण प्रयासरत है।



कार्यालय के दूसरे दिन संबोधित करते मुख्यातिथि प्रो. वी.आर. काठ्भोज व मौजूद अन्य।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

कार्यालय में ६ सत्र आयोजित किए गए। प्रथम दिन गहू व जी के लिए संबोधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गहू व मक्का और तीसरे सत्र में दलहन व धान फसलों को लेकर विवार-विवरण किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके नियन्त्रण के लिए सुझाव दिए। कार्यालय के दूसरे दिन फसलों, गुण कृषि वैज्ञानिकों को लेकर वैज्ञानिकों ने विवार रखे। इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने थोड़े में गहू व गेहूं फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और उसको लेकर सुझाव दिए।

69349 विंटल पी.आर. धान की हो चुकी आवक

हासी (भटानी) : एस.वी.एम. डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि हासी की अनाव मंडी में 69349 विंटल धान की आवक हो चुकी है इसमें से 54396 विंटल धान की समानी खरीद कर कारों पूर्ण कर लिया गया है। अहलावत ने बताया कि अनाव मंडी में अप तक 1509 किमा की धान की 19350 विंटल की खरीद की जा चुकी है। 1121 फिल्म के धान की 3609 विंटल खरीद हो चुकी है। मंडी में 12015 विंटल जाजे की भी खरीद हो चुकी है। उन्होंने बताया कि किसानों को फसल बिक्री के कारण में कोई विकल्प नहीं आने वाले हैं। उन्होंने संबोधित अधिकारी को दिया दिए कि यह मंडी में भासल उठन का कारण भी साध-साध तेजी से करता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घी भूमि	२४.१०.२१	१	२-५

■ महन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर की सिफारिश ■
फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

■ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यशाला का समाप्ति

दीर्घी भूमि अधिकारी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की सहायता के लिए हर समय तैयार है। प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं। यह बात एवं यूके कृषि प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने कहा। वे विश्वविद्यालय में अधिसूचित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के



हिसार। सर्वोत्तम करते मुख्यालियि प्रोफेसर डॉ.आर. काम्बोज व गौजूद अया।

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय बैठकशील के समाप्ति पर बतार जी, गन्ना व मखन, दलहन व खाद्य मुख्यालियि शोल रहे थे। कार्यक्रम में फसलों को लेकर विचार-विमर्श अधिसूचित गन्ना आयुक्त डॉ. किया गया। फसलों की साम्प्याओं जगदीप बराड़ विशिष्ट अतिथि थे। व समाधान के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत समाचार	२४.१०.२१	५	१-३

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए लाभदायक : काम्बोज

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को स्वान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

दिवार, 27 अक्टूबर (देवमन्द सोने) : औपसी चरण सिंह लोक समाचार कृषि विश्वविद्यालय विसार किसानों को सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूत्र में फसलों संबंधी समस्याओं का समाना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का नियन समय पर हो सके। ये विचार एवं युवराजीवि विसार के कुलपति प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हिन्दूयाणा संस्कार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय बर्केटोप के समान असर पर जीवी मूल्यांकित बोल रहे थे। काम्बोज में अतिरिक्त गता अमृत डॉ. जाहीर खान विशिष्ट अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यालियत ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायन, विचारी सुविधाओं, मृदा और अनेकों कारबों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं ताकि किसानों को इसका भवित्व लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा उसे-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की जीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नियत नियानी की जाती है ताकि उन्हें बहुत समय में उन समस्याएँ का समय पर नियन हो सके और किसान अपेक्षित नुस्खान से बहुत तुर फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। जल संवर्धन के लिए एक और बहु भौतिकीय में विभासत नोडना कारबर साक्षि हो रही है वहीं फसलों के विविक्कण को बढ़ावा देने के लिए बाजे की जाह लिलान व उत्तरान फसलों को बोने पर भी आवश्यक सहायता प्रदान करती है।

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दो दिवसीय काम्पसाला में छह सप्त अप्रैल तिथि किए गए। काम्पसाला के प्रथम दिन गैरुं व जौ के लिए संबोधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे दिन में गश्ता व मक्का और तीसरे दिन में दलहन व चाटा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारियों व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने आपने-आपने क्षेत्र में गत वर्ष फसलों में आई समस्याओं को प्रस्तुत किया और अपने लेकर सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिकारी, निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्रदेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निः, मात्र	28.10.21	6	1-5

सलाह • एचएयू के वैज्ञानिकों ने की गेहूं की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की सिफारिश डब्ल्यूएच 1105, 711, 542 और 1184 किस्म की नवंबर के पहले सप्ताह तक कर सकते हैं बिजाई

महारूप अर्जी | हिसार

गेहूं हरियाणा की एक महत्वपूर्ण अन्नज बाली प्रकार है। इसकी बिजाई आम समय पर कर दी जाए तो अच्छी पैदावार ली जा सकती है। अन्नद्वार के अंतिम सप्ताह और नवंबर का पहले सप्ताह गेहूं की बिजाई के लिए उचित है। गेहूं की उत्तम किस्म डब्ल्यूएच 1105, 711, 542 और 1184 किस्म की बुवाई कर अधिक आमदानी कर्मदृश जासकती है।

प्रो. बीआर कलांज एचएयू के कुलपर्वी प्रोफेसर बीआर कलांज ने अत्यापि किसियाँ विवरणित किस्मों के लिए अच्छी पैदावार व रोग प्रविरोधी किस्में विकसित कर रखा है। इसी कड़ी में नई किस्म डब्ल्यूएच 1270 वैज्ञानिकों द्वारा विकसित भी गई है। विजाई के लिए औसत तापमान लगभग 22 डिग्री सेंटिमेटर पर्स होना चाहिए। गेहूं की अपेक्षी बिजाई के लिए सी 306, डब्ल्यूएच 1025, डब्ल्यूएच 1080 और विजाई कम पानी वाली जापेन पर करें। अपेक्षी बिजाई अन्नद्वार का अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक पूरी कर लें। अधिक खाद्य पानी व अपेक्षी बिजाई के लिए दी बी डब्ल्यू 187 व दीबी डब्ल्यू 303 की बिजाई करें। जिन क्षेत्रों में सिवाई के लिए कम पानी उपलब्ध है वहां डब्ल्यूएच 1142 किस्म की बिजाई करें।

अच्छी पैदावार लेने के लिए छोटे आकार के बीज वाली किस्मों लिए जाएं।



• **बीज की मात्रा:** अच्छी पैदावार लेने के लिए छोटे आकार के बीज वाली किस्मों जैसे डब्ल्यूएच 542 के लिए 40 किलोग्राम तक तीन घंटे अकार के बीज वाली किस्मों जैसे डब्ल्यूएच-157 के लिए 50 किलोग्राम, डब्ल्यूएच 283, डब्ल्यूएच 711 के लिए 45 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ डालें।

• **बीज उपचार:** दीमक के नियन्त्रण के लिए 40 किलोग्राम बीज को 60 मिलिलीटर क्लोरोप्ररीफेन 20 ही.सी. से उपचारित करें। खुली कंगियारी व फैसियों की कंगियारी से अचाव के लिए गेहूं के बीज को कार्बनडोजियम या कार्बोफिल्म 2.0 ग्राम प्रति किलो बीज या टेक्सीनोजोल 1.0 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बिजाई से पहले उपचार करें।

• **बिजाई:** एचएयू के कुत्सर्वती प्रो. कंबोज के अनुसार गेहूं की बिजाई बीज पैच उर्वरक झिल से करें। अगर यह मरीजन उपलब्ध न हो तो सिंचित क्षेत्र में बिजाई केरा विधि से करें। समय की बिजाई के लिए दो खुदाहों का फ्रैमस्ला 20 सेटीमीटर रखें। किस्म सी 306 की बिजाई 6 से 7 सेटीमीटर गहरी जबकि अन्य किस्मों की बिजाई 5 से 6 सेटीमीटर गहरी करें। धन गेहूं फसल छह बाले क्षेत्रों में गेहूं की बिजाई जीरा टिल बीज व उर्वरक झिल से करें।

• **खाद्य व उर्वरक:** गेहूं व जी अनुभान के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने बताया कि गेहूं की बिजाई के समय क्षेत्रों में बीजों किस्मों के लिए 65 किलोग्राम यूरिया, 150 किलोग्राम सिंसेल सुपरफास्टेट, 20 किलोग्राम म्यूरेट पोटाश व 10 किलोग्राम लिंक स्लैकट का प्रयोग प्रति एकड़ करें। जिन क्षेत्रों में म्यूरेट पोटाश की मात्रा कम हो, तब 40 किलोग्राम की मात्रा में इसका प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि निष्ठा जाव के आधार पर खाद्य देने से अच्छे पायदे मिलते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युक्ता	28.10.21	३	१-४

फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों
के लिए लाभदायक : कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है।

किसानों को किसी भी सूत्र में फसलों संबंधी समस्याओं का सम्बन्ध न करना पड़े इसके लिए समग्र समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के विज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं। फसलों की समग्र सिफारिशों के लिए लाभदायक होती है। यह जहान है एचएयू के कुलपति प्रो. डॉ. सीआर कांबोज का।

एचएयू में आयोजित कृषि विज्ञानिकों एवं हरियाणा मरकार के कृषि अधिकारियों को दो दिवसीय बैठकों पर

समाप्त अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशों प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवाय, सिंचाई सुविधाओं, मृद्य जैसे कई कारकों का ध्यान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। अधिकारियत गन्ना अनुबन्ध डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि जल संरक्षण के लिए एक और जहा भैरा-पानी-मेरा विस्तृत योजना कारगर मानित हो रही है, जहाँ फसलों के विविधांश को बढ़ावा देने के लिए बाजार की जगह बिलहन व दलहन फसलों को बौने पर आर्थिक सहायता प्रदान करती है। डॉ.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५०१६५४७	२४.१०.२१	७	।

‘फसलों की समग्र
सिफारिशों किसानों
के लिए लाभदायक’

हिसार, 27 अक्टूबर 2021

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों व वृषि अधिकारियों की दो दिवसीय बैठक के समाप्ति अवसर पर अंतीक्ष गन्ना आमुकत डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशों प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मटा और अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है, ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। डॉ. जगदीप बराड़ ने कहा कि वैज्ञानिक अपने-अपने लेव में विभिन्न फसलों की लौट, लीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए नियंत्रण कियाजाने रखते हैं। इससे अने याते समय में उस समस्या का समय पर नियन्त्रण हो सके और किसान अच्छी पैदावार हासिल कर सके।



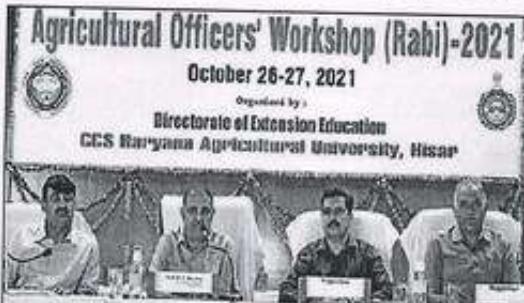
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	27.10.2021	--	--

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रो. काम्बोज

राष्ट्रीय विद्यालय



जैसों तक पर्वीमहिले, क
सुधियां भी, मृदृ जैसे अमेव
व्याप में लड़का बच्चे व
किसानों को इसका भलारु ल
प्रेतानि द्वे दाम अन्ते-अन्त

तापानु चिकित्सा
की कामयाएँ से
जहां हैं ताप
वाला विषय सेवा

राजसीदी दी गई,
समानों व अन्य सामग्री
को सप्त में रखते हुए विशेष विधियों की
जाही है ताप अन्य विषय सम्बन्ध में इस
समय का समय वा विषय हो सके और
विधि विविध हो सकती है।

अब यहां ये विभिन्न
विधानों को विवर
करने विषय व विधि

प्रातः भी खेलने में
संक्षिक्षण खेलना इत्यर्थ
का लक्ष्य। उद्देश्ये
प्रयोगिकी से अलग
विद्या का विषय है जिसके
मिशनोंमें से और कई^{में}
सात भाग में चुनौती
बदलते हुए एक बहु-विद्या
विद्या है। इस विद्या
में अलग-अलग विधि-
विधानों से उत्पन्न
प्राप्ति उठ सकती है। इस
विद्या का विषय है कि
इस विद्या का समावेश
विद्यालयों के लिए विद्युत
प्रयोग का

वैदिकों व धर्म अधिकारियों ने दिए वाचालयन् सुझाव। तो विद्यमान कवितालय में इह सभा आयोगीय दिए गए वाचालयन् के द्वारा विद्यमान अधिकारीयों व वैदिकों ने वाचालयन् सुझाव दिए। इसके बाद में यह व वहाँ और विद्यमान में वाचालयन् व वाचा प्रत्यक्षीयों से संबंधित विद्यमान विद्यालयन् का विवाह दिया गया। इस वैद्यन वैदिकों ने उन्हें विद्यमानीयों से संबंधित व इनके द्वारा दिए गए विद्यमान सुझाव दिए। वाचालयन् के द्वारा दिए गए विद्यमान विवाह, शुद्धि, वृत्ति, वृत्ति विवाहों के संबंध वैदिकों में विवाह दिया गया। इस वैद्यन वैदिकों ने वाचालयन् व वाचा प्रत्यक्षीयों के संबंध विद्यमान विवाह का विवाह दिया। इस वैद्यन वैदिकों ने उन्हें विद्यमानीयों से संबंधित व इनके द्वारा दिए गए विद्यमान सुझाव दिए। वाचालयन् के द्वारा दिए गए विद्यमान विवाह, शुद्धि, वृत्ति, वृत्ति विवाहों के संबंध वैदिकों में विवाह दिया गया। इस वैद्यन वैदिकों ने अपने अपने बाद में यह वाचा कल्पीयों ने अपने वाचालयन् को विद्यमान विवाहालयन् के अधिकारीयों व वैदिकों से संबंधित विद्यमान सुझाव दिया। इस वैद्यन विवाहालयन् के अधिकारीयों, अधिकारीयों, विद्यमान, विद्यमानीयों, वैदिकों के वृत्ति अधिकारीयों व वैदिकीयों वैदिकों द्वारा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पृष्ठ ६४	27.10.2021	---	---

फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों के लिए होती है लाभदायक : प्रो. काम्बोज

दूसरा दिन: हिसार, 27 अक्टूबर। खेतों में जल सिंह विश्वविद्यालय किसानों को सेवा के लिए हर समय हैरान है। किसानों को किसी भी सुन्दर में फसलों की समग्र सिफारिशों का सम्बन्ध न करना एक दुष्कृति है। जिसमें जल समग्र सम्बन्ध पर ध्वनि के कृषि अधिकारीयों व किसानों के सभा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व जलवय संपर्क वर्कर रखते हैं। ताकि उनकी हर समस्या का नियन समय सह हो सके। जैविक विकास व नूतनीकीय विद्यार्थियों के नूतनीकीय विद्यार्थियों व आर. अम्बोज ने कहा। ये विश्वविद्यालय में अधोलिपि कृषि विज्ञानों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारीयों की दो विद्यार्थियों कार्यालय के सम्बन्ध अवधार पर कार्य कुराइयी बोल रहे थे। कार्यक्रम में अधिकारित याता आशुल औं जगदीप बराह विद्यार्थियों द्वारा गुहाराया गया।



किसानों को इसके भाग्य प्राप्त लाभ मिल सके। किसानों को इसके अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न सरकारी की ओर से समर्पण की गई, जिसकी व अन्य समस्याओं को जल में रखते हुए नियंत्रण कियाजानी की जाती है। जलदीप बराह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए एक और जल में जल सम्बन्ध का सम्बन्ध हो सके और किसान अधिक नुकसान से बचते हुए जल सम्बन्ध की पैदावार वैश्विक उदायरहास्यमय कर सके। उन्होंने विज्ञानों में आधुनिक

वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारीयों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव। ये विद्यार्थियों का सर्वोत्तम विवरण में इस सत्र अधिकारीयों व विज्ञानों ने महालग्न सुनाया दिए। दूसरे सत्र में जल व मजा और दीसी सरकार में दृष्टिन व जल सरकार को देखकर विचार-विमर्श विद्या गया। इस दौरान विज्ञानों ने उक्त किसानों की समस्याओं व उनके नियन के लिए सुझाव दिए। कार्यसाल के दूसरे दिन विज्ञान फसलें, गृषि वृक्ष, कृषि विनियोगों की सेवा विज्ञानों ने विचार रहे। इस दौरान प्रदेश के कृषि अधिकारीयों व विश्वविद्यालय के विज्ञानों ने अपने-अपने क्षेत्र में जल व मजा से में अई समस्याओं को प्रदूषण विद्या और जलको संवर पुनाय दिए। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिकारी, नियंत्रक, विधायक व प्रदेश के कृषि अधिकारी व विज्ञानी मौजूद थे। दृष्टिन फसलों को छोड़े पर भी अधिक समाप्ति प्रदान करती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	27.10.21	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों के लिए होती हैं लाभदायकः प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। पौधरी पर्याप्ति लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों द्वारा छिड़ी गई सूखे ने प्रभावी सांकेतिक सुझावों का सबल न करना पड़े इसके लिए समय-समाप्ति पर प्रदेश के कौशि अधिकारियों व किसानों के सभी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय लार्पर्ट बड़ा रखते हैं ताकि आखिर हर समस्या का नियन्त्रण हर सेवा के लिए एवं विकास का एवं वृजनीयी हिस्सा के लिए कुलाधिकारी प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय ने आयोगित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों वी दो टिकटीय बर्केटों के समर्पण अवसर पर बौद्ध सुन्दरताओं



October 26-27, 2021

Organized by:

Directorate of Extension Education
CCS Haryana Agricultural University, Hisar



में बैठे हैं। कार्यक्रम ने अधिकारिक गता अस्युक डॉ. जगदीप बहादुर लिखिट अधिकारी गौरव दिया। सुखदातीय वी कर्स ने विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशों परेश वी नैवेशिक परिविहारी, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, गृह जैसे अनेकों कारकों की ध्यान ने

सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयोगस्था है। जल संरक्षण के लिए एक और जल बेंगा कार्य गोपनीयता योजना वर्षान्त समिति द्वारा दी गई किसानों के विशिष्ट कारण को बढ़ावा देने के लिए याजरे की जगह तिलहन व दलहन कारबों को देने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है। इस दैशन वैज्ञानिकों ने उके कारबों की सांकेतिक व उनके नियन्त्रण के लिए सुझाव दिया। कार्यशाला के दूसरे दिन तिलहन कारबों, तुष्क कृषि, कृषि विविधीयों द्वारा लेकर वैज्ञानिकों ने विषय दिया। इस दैशन विश्वविद्यालय के अधिकारी, अधिकारी, निदेशक, विभागाधार्य, परेश के कृषि अधिकारी व विद्यार्थी गौरव दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि हिसार किसानों की सेवा के लिए वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के

Organized by
Directorate of Extension Education
Vanas Agricultural University, Hisar



एवं वैज्ञानिकों की बैठक के दौरान अवसर पर बतौर मुख्यालिंग बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गत्ता आयुक्त हर समय तैयार है। किसानों को डॉ. जगदीप बराह विशिष्ट अविद्यि मौजूद रहे। मुख्यालिंग ने कहा कि समस्याओं का समाना न करना पढ़े। इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनको हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एचएयू व गुजरातीविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर

गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती है।

सिफारिशें

कोट, चौमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर नियानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आविर्क नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आङ्गन किया किय वे समग्र सिफारिशों को ओर भी सरल भाषा में मुहैया करवाए ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका प्रयोग उत्तम सके। डॉ. जगदीप बराह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयत्नसरत है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ न्यूज	27.10.21	--	--

दो दिवसीय कार्यशाला, वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूत ने फसलों संबंधी समस्याओं का सम्बन्धन करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। ये विचार एवं गुजारी व गुजारी विद्यार्थी हिसार के कूलपात्र प्रोफेसर डॉ. आर. कामोज ने कहे। ये विश्वविद्यालय में आगोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाप के समाप्त अवसर पर बताए मूल्यवालिय बोल रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गत्रा आयुक्त डॉ. जगदीप बराह विशिष्ट अतिथि

मौजूद रहे। मूल्यवालिय ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशें प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवाय, सिंचाई सुविधाओं, मुद्रा जैसे अनकों कारबों की ध्यान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके। वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विभिन्न फसलों की कीट, घीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उन समस्याओं का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उद्देश्य वैज्ञानिकों से आहुति किया किय जे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मूल्यांकित करवाएं ताकि कम पढ़े-लिख किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराह

ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक और जहां मेरा पानी मेरा विरासत योजना कारगर साधित हो रही है वहाँ फसलों के विधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की जगह तिलाहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए किया जाना चाहिए

दो दिवसीय कार्यशाला में छह सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रथम दिन गेहूँ व जौ के लिए संबंधित अधिकारियों व वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे सत्र में गेहूँ व गाजा और तीसरे सत्र में दलहन व चारा फसलों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने उक्त फसलों की समस्याओं व उनके निदान के लिए सुझाव दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशों किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर काम्बोज

वाटिका न्यूज़
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार किसानों की सेवा के लिए हर समय तैयार है। किसानों को किसी भी सूत में फसलों संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े इसके लिए समय-समय पर प्रदेश के कृषि अधिकारियों व किसानों के साथ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर समय संपर्क बनाए रखते हैं ताकि उनकी हर समस्या का निदान समय पर हो सके। वे विचार एवं यू. व. गुजारिप्रौदि हिसार के कुलपति प्रोफेसर डॉ.आर. काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि वैज्ञानिकों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन अवसर पर बताए मुख्यालियत बोले रहे थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त गता आयुक्त डॉ. जगदीप बराह विशिष्ट अतिथि भौजूद रहे। मुख्यालियत ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई समग्र सिफारिशों प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों, जलवायु, सिंचाई सुविधाओं, मृदा जैसे अनेकों कारकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।



गहन मंथन व भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर दी जाती हैं सिफारिशें

वैज्ञानिकों द्वारा अपने-अपने थेट्र में विभिन्न फसलों की कीट, बीमारी व अन्य समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर निगरानी की जाती है ताकि आने वाले समय में उस समस्या का समय पर निदान हो सके और किसान आर्थिक नुकसान से बचते हुए फसल की पैदावार में इच्छित पैदावार हासिल कर सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आँखन किया किय वे समग्र सिफारिशों को और भी सरल भाषा में मुहैया करवाएं ताकि कम पढ़े-लिखे किसान भी आसानी से उसका फायदा उठा सकें। डॉ. जगदीप बराह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जल संरक्षण के लिए एक ओर जहां मेरा गानी मेरा विरासत योजना कारगर साबित हो रही है वहां फसलों के विधिकरण को बढ़ावा देने के लिए बाजार की जगह लिलहन व दलहन फसलों को बोने पर भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रौ. काम्बोज

ममता हरियाणा न्यूज विश्वविद्यालय द्वारा हिसार की गई सभी मिसारिंग फेस की ओर जहां येरा पानी बेटा विश्वविद्यालय कारण साधित हो रही हिसार। बौद्धिक भ्रमन निष्ठ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार औपचारिक बौद्धिकीय, जलवाय, विचार्य सुधारार्थी, मुदा बैचों हैं जहां किसलों को भौमिका के लिए हां भौमिका के लिए बाजारों की किसानों जो भौमिका को लिए हैं। किसानों को लिए हैं। अनेकों किसानों को ज्ञान में रखकर बनाई जाती है ताकि किसानों जब लिखान व दस्तावेज़ किसलों को बोने से भी अधिक सहायता भी शुरू में किसानों में अधिक समझार्थी का ज्ञानका न करता रहे। किसका आपूर्व लाप्त किल सहें। बैज्ञानिकों द्वारा जापै-अपै श्रद्धा रखते हैं।

इसके लिए समय-समय पर कार्रवाई के लिए और अधिकारीयों व लेन्ड में विविध किसलों की कैटर, बौमारी व अन्य समझालों को बैज्ञानिकों व कृषि अधिकारीयों ने दिए भवत्वपूर्ण सुझाव किसानों के यात्रा विश्वविद्यालय के बैज्ञानिक द्वारा सभव निर्वाचित किसानों को जाती है ताकि जाने जाने की दौरा दिल्लीय कार्यालय में उड़ान आयोजित किए गए। बनाए रखते हैं ताकि उनको जल सम्पद के नियन्त्रण पर हो सभव में उन समझान का समय पर नियन्त्रण से जाके और किसान छार्टरालय के प्रबन्ध दिए दें। व जो के लिए सर्वाधिक अधिकारीयों महान्। वे विकास एवं व युवाविकास विभाग के कृषिविभाग आर्थिक नृकलान से बचते हुए किसका को ऐश्वर्या में अधिक व बैज्ञानिकों ने वहत्वपूर्ण सुझाव दिए। दूसरे बाज में जला व नक्ता प्रोटोकॉल भी आज काम्बोज ने कहे। वे विश्वविद्यालय में आर्थिक एकाकार साझेन कर यहू। उन्होंने बैज्ञानिकों से आपूर्व लिया और योग्य जल में दस्तावेज़ व नक्ता किसलों को लेकर विचार-कृषि बैज्ञानिकों एवं हरियाणा मरकार के कृषि अधिकारीयों को डिप वे समय मिसारिंग को भौमि भी जाता भास में दूरीका विवरण किया गया। इन दोनों बैज्ञानिकों ने उड़ान किसलों की दौरा दिवसीय बैज्ञानिक के सम्बन्ध अवधार पर जली युवाविकास करवाए ताकि कम पढ़-गिरहे किसानों भी आमनी से ऊरका समझार्थी व उड़ान विद्यान के लिए सुझाव दिए। कार्यालय के बोत हैं दै। कार्यालय में अधिकारीय गत आयुक्त डॉ. जगदीप लालकर दूसरे दिन विश्वविद्यालय किसानों को सेवा पराइ विशेष भौत्तु रहे। युवाविकास वे जला कि किसानों के लिए नियन्त्रण उपलब्ध है। जल सेवान के लिए एक बैज्ञानिकों ने शिवार रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सं माचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	27.10.2021	--	--

फसलों की समग्र सिफारिशें किसानों के लिए होती हैं लाभदायक : प्रोफेसर दी.आर. काम्बोज

© Oct 27, 2021 • [View my profile](#) • [Edit my profile](#) • [Logout](#)